BSWE-002
BSWE-004

lekt dk;Z esa Lukrd mikf/k

¼ch-Mh-ih- % ch-,l-MCY;w-&f}rh; o"kZ½

l=h; dk;Z % 2011-12

ikB~;Øe 'kh"kZd

ch-,l-MCY;w-bZ--002 & 0;fDr;ksa vkSj lewgksa ds lkFk lekt dk;Z vH;kl{ks=k

ch-,l-MCY;w-bZ--004 & ifjokj thou f'k{kk dk ifjp;

v/;;u dsUnz esa l=h; dk;Z tek djkus dh rkjh[k %
tqykbZ l= & Qjojh 25] 2012
tuojh l= & vxLr 30] 2012

इग्नू
जन-जन का विश्वविद्यालय

lekt dk;Z fo|kihB
bafnjk xka/kh jk"Vªh; eqDr fo'ofo|ky;
eSnku x<+h] ubZ fnYyh-110 068

प्रिय विद्यार्थी,

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के बी.एस.डब्ल्यू. कार्यक्रम में आपका स्वागत है। आपने समाज कार्य में स्नातकोत्तर होने के लिए यह कार्यक्रम एक उद्देश्य के साथ चुना है ताकि आप हमारी मानवजाति की सामाजिक दशाएं सुधारने के लिए अपनी योग्यता प्रमाणित कर सकें। बी.एस.डब्ल्यू. कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए, कृपया निम्नलिखित बातों का पालन करें:

- अपना अध्ययन आरंभ करने से पहले कार्यक्रम दर्शिका को पढ़िए। इससे इग्नू के बी.एस.डब्ल्यू. अध्ययन करने के बारे में आपके अधिकतर संदेह दूर हो जाएंगे।
- आप अपने सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र में समय पर जमा कराएं।
- अपने अध्ययन केंद्र और क्षेत्रीय केंद्र के संपर्क में रहें।
- परीक्षा फार्म समय पर भरें।
- अपने प्रयोगात्मक कार्य व्यावसायिक रूप से योग्य समाज कार्यकर्ता जिसके पास एम.एस.डब्ल्यू/ एम.ए. (समाज कार्य) की उपाधि हो और जिसे आपके अध्ययन केंद्र ने आपको उपलब्ध कराया हो केवल उसके मार्गदर्शन में ही करें।

बी.एस.डब्ल्यू, द्वितीय वर्ष के लिए आपको बी.एस.डब्ल्यू.ई.-002, बी.एस.डब्ल्यू.ई.-004 और अन्य आधार पाठ्यक्रम के लिए प्रत्येक का एक–एक अध्यापक जांच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना है।

जुलाई 2007 सत्र से बी.एस.डब्ल्यू. के सभी विद्यार्थियों से अपेक्षा की जाती हैं कि उन्हें क्षेत्र कार्य (समाज कार्य प्रैक्टिकम) : में 35% अंकों के साथ उत्तीर्ण करना अनिवार्य है जिसे आप

(i) क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक, और (ii) बाह्य परीक्षक (संकाय) से प्राप्त करेंगे।

समाज कार्य अभ्यास (प्रैक्टिकम) में उत्तीर्ण होने के आपके अवसर, उस पर्यवेक्षक पर निर्भर है जो आपका मार्गदर्शन करेगा। याद रखिए कि केवल योग्यताप्राप्त पर्यवेक्षक जिसके पास एम.एस.डब्ल्यू./एम.ए. (समाज कार्य) की उपाधि है, वही आपके क्षेत्र कार्य के लिए आपका मार्गदर्शन करने के लिए पात्र है। यदि इस संबंध में आप कोई कठिनाई अनुभव करते हैं तो आप इसके बारे में अध्ययन केंद्र के अपने संचालक से चर्चा कर सकते हैं। आप समाज कार्य विद्यापीठ में सुश्री एन. रम्या फोन नं. 011–29532044, ई–मेल : ramya@ignou.ac.in अथवा sosw@ignou.ac.in पर भी संपर्क कर सकते हैं।

आप अपना क्षेत्र कार्य जर्नल अपने क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक (Field Work Supervisor) के पास जमा करा सकते हैं। क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक आपकी रिपोर्ट का मूल्यांकन करने के बाद इसे आपके अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास भेज देगा ताकि यह कुलसचिव, विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इं.गां.रा.मु.वि., मैदान गढ़ी, नई दिल्ली को प्रेषित किया जा सके।

चूंजिक समाज कार्य एक व्यावसायिक अध्ययन कार्यक्रम है, इसलिए विद्यार्थियों को नेशनल एसोसिएशन ऑफ प्रोफेशनल सोशल वर्कर्स इन इंडिया (एन.ए.पी.एस.डब्ल्यू.आई.) में विद्यार्थी सदस्यता लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। अधिक जानकारी के लिए आप www.napswi online.org पर लॉग ऑन कर सकते हैं।

आप समाज कार्य और इससे जुड़े विषयों पर संबंधित सेमीनार, सम्मेलन और कार्यशाला में भाग भी लेना चाहेगें। NAPSWI e-journal आपको नियमित आधार पर अन्य सूचना के साथ–साथ यह जानकारी प्रदान करेगा जो समाज कार्यकर्ताओं और अर्ध–व्यावसायिकों के लिए अत्यंत उपयोगी है।

समाज कार्य विद्यापीठ द्वारा आयोजित किए जाने वाली समाज कार्य व्यावसायिकों और विद्यार्थियों के सेमीनारों, सम्मेलनों और बैठकों के संबंध में कृपया www.ignou.ac.in पर लॉग आन करें, तथा विद्यापीठों पर और उसके बाद समाज कार्य विद्यापीठ पर क्लिक करें।

¼l|Jh ,u- jE;k½
कार्यक्रम संचालक

ch-, l-MCY;w-b--002

0;fDr;ksa vkSj lewgksa ds lkFk lekt dk;Z vH;kl

l=h; dk;Z-1

ikB;Øe dksM % ch-, l-MCY;w-b--002

dqy vad-100

uksV % **i)** lHkh ikp iz'uksa ds mÙkj nhft,A
ii) lHkh iz'uksa ds vad leku gSaA
iii) iz'u la[;k 1 vkSj 2 ds mÙkj ¼izR;sd½ 600 'kCnksa ls vf/kd ugha gksus pkfg,A

1) समाज वैयक्तिक कार्य के नियमों और सिद्धांतों का वर्णन कीजिए। 20

अथवा

समूह कार्य के प्रकारों और समाज समूह कार्य के निर्माण की विभिन्न अवस्थाओं को स्पष्ट कीजिए। 20

2) सुधारात्मक परिवेशों में समाज कार्य को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए। 20

अथवा

भारत में समाज कार्य शिक्षा के परिचय और संभावना का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं nks प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 300 शब्दों में) दीजिए:
- i) सामाजिक समस्याओं के प्रकारों की संक्षेप में चर्चा कीजिए। 10
- ii) समाज कार्य में अंतःक्षेप विधियां क्या हैं? 10
- iii) सामाजिक नीति के मॉडलों को स्पष्ट कीजिए। 10
- iv) राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों का संक्षेप में वर्णन कीजिए। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं pkj प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में) दीजिए:
- i) समूह निर्माण के कारकों का संक्षेप में वर्णन कीजिए। 5
- ii) कुछ प्रमुख सामाजिक प्रतिरक्षा कार्यक्रमों की संक्षेप में चर्चा कीजिए। 5
- iii) उद्योग (Industry) में समाज कार्य के कार्यक्षेत्र की चर्चा कीजिए। 5
- iv) सामाजिक विकास की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए। 5
- v) जनहित के मुकदमे का अर्थ और उद्गम। 5
- vi) समाज केस कार्य में नैदानिक और व्यावहारिक स्कूलों के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं ikp प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 100 शब्दों में) लिखिए:
- i) साक्षात्कार कौशल 4
- ii) समूह रचना 4
- iii) भ्रष्टाचार 4
- iv) वन और जनजातियां 4
- v) पूंजीवाद 4
- vi) योजना आयोग 4
- vii) उद्देशिका (प्रस्तावना) 4
- viii) महिलाओं के मानव अधिकार 4

ch-,l-MCY;w-bZ-004

0;fDr;ksa vkSj lewgksa ds lkFk lekt dk;Z e/;LFkrk

l=h; dk;Z-2

ikB~;Øe dksM % ch-,l-MCY;w-bZ-004

dqy vad-100

uksV % **i)** lHkh ikap iz'uksa ds mÙkj nhft,A
ii) lHkh iz'uksa ds vad leku gSaA
iii) iz'u l[;k 1 vkSj 2 ds mÙkj ¼izR;sd½ 600 'kCnksa ls vf/kd ugha gksus pkfg,A

1) परिवार जीवन शिक्षा प्रदान करने में घर और विद्यालय की भूमिका की चर्चा कीजिए। 20

अथवा

यौन स्वास्थ्य शिक्षा के विभिन्न घटकों को स्पष्ट कीजिए। 20

2) हिंदुओं, मुस्लिमों, ईसाइयों और जनजातियों में विवाह को स्पष्ट कीजिए। 20

अथवा

परिवार नियोजन विधियों का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं nks प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 300 शब्दों में) दीजिए:

i) पुरुष और महिला के बीच संवेगात्मक अंतरों का वर्णन कीजिए। 10

ii) शैशवास्था और मानव विकास की चर्चा कीजिए। 10

iii) जीवन साथी (पति/पत्नी) का चयन करने के बारे में संक्षेप में स्पष्ट कीजिए। 10

iv) दहेज निषेध अधिनियम, 1961 के बारे में स्पष्ट कीजिए। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं pkj प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में) दीजिए:

i) परिवार जीवन शिक्षा को परिभाषित कीजिए।

ii) जननांग कामुकता (genital sex) और भावात्मक कामुकता (affective sex) के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए। 5

iii) मैस्लो के आवश्यकता सोपानक्रम सिद्धांत का संक्षेप में वर्णन कीजिए। 5

iv) विवाह की अवधारणा क्या है? 5

v) विवाह के कार्यों और प्रयोजन की संक्षेप में चर्चा कीजिए। 5

vi) तलाक के कारणों को स्पष्ट कीजिए। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं ikap पर संक्षिप्त टिप्पणियां (प्रत्येक लगभग 100 शब्दों में) दीजिए:

i) मूल्य प्रणाली 4

ii) साथी समूह (peer group) की भूमिका 4

iii) बाल्यावस्था में अर्जित किए गए कौशल 4

iv) किशोरावस्था 4

v) बहुपति प्रथा 4

vi) परिवार कानून 4

vii) तलाक 4

viii) तलाक के लिए आधार 4